तापमान
अधिकतम 40.0 डिग्री
न्यूनतम 25.0 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार 25 मई 2025

10 टिश्यू पेपर मिल में आग से हड़कंप, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, नुकसान होने से टला

11 'योग फॉर वन अर्थ-वन हेल्थ' थीम के साथ मनेगा योग दिवस, कल से लगेगा प्रशिक्षण कैंप

लक्ष्य एवं उपलब्धि के बीच का सेतु

TAGORE PUBLIC SCHOOL

MAHENDERGARH - REWARI - GURUGRAM

27 YEARS EXCELLENCE IN EDUCATION

HIGH PERFORMING SCHOOL BY AKS - 2018

TEACHING EXCELLENCE AWARD BY International School Awards

Ranked 5th in GURUGRAM TOP SCHOOL
Times School Survey 2022

SAINIK SCHOOL 178 QUALIFIER

a synonym to discipline

THINK FOR SAINIK SCHOOL - CHOOSE TAGORE!

SPECIAL COACHING FOR SAINIK SCHOOL
MILITARY SCHOOL
IISER | CLAT
IIT | NEET

SAINIK SCHOOL EXAM QUALIFIER- 2025

CLASS VIII QUALIFIER

350/400 **ARIK** S/o Pawan Kr.

GAURAV S/o Hamir Singh
DEEPIKA D/o Ajit Singh
DAKSH S/o Parveen Kr.

CLASS V QUALIFIER

257/300 **SHIVANSH** S/o Jitender Kr

AAYAN S/o Ajay Kr.
ADITYA S/o Narender Kr.
AKSHITA D/o Satyawan
ARUSHI D/o Sandeep
AYUSH S/o Ajay Singh

PRANAV S/o Mahesh Kr.
YASHWANI D/o Subhash Chander
ANKIT S/o Ajit Singh
DIKSHIT S/o Krishan Kr.
SAKSHAM S/o Jitender
CHESTA D/o Ombir Singh
DEEPAK S/o Bhupdender
DEVIN S/o Somvir Yadav
DIVYANSH S/o Paramjeet
GARIMA D/o Krishan Yadav
GOVIND S/o Ashok Kr.
HARSHIT S/o Bhim Singh
HARSHITA D/o Manoj Kr.

TINA D/o Pradeep Kr.
VARSHA D/o Bharat Singh
YASHU S/o Praveen Kr.
ARPIT S/o Deepak Kr.
DEEPEN S/o Ravinder Kr.
HARSHITA D/o Vikram
HIMANSHI D/o Yogesh Kr.
HUNAR S/o Manjeet Singh
ISHANI D/o Yageshver Kr.
KASHISH D/o Pradeep Kr.
KAVYA D/o Rahul Kr.
LUCKY S/o Sudharshan
MANSHIKA S/o Jai Parkash

MANVI D/o Devender Kr.
PRITI D/o Mahavir Singh
YASH S/o Mukesh Kr.
JATESH S/o Dharamveer
ANSH S/o Ramesh Kr.
MANVO D/o Sandeep Yadav
MAYANK S/o Vikash Kr.
MAYANK S/o Virender
MEET D/o Pradeep Kr.
NITIN S/o Jasbir Singh
PARACHI D/o Suresh Kr.
PARM S/o Parshant
PRACHI D/o Satender

DEV S/o Naveen Kr.
SWETA D/o Shalu
HARSHITA D/o Devender Singh
VANSH S/o Chanderpal
AKSHIT S/o Govind Sharma
PRAGYA D/o Tara Chand
PRIYANSH S/o Ravinder Singh
RAMAN D/o Lalit Kr.
RINSIN D/o Inderjeet Yadav
RITIKA D/o Satish Kr.
RITIVIK S/o Sandeep Kr.
RIYA D/o Lalit Kr.
RIYA D/o Praveen

JITESH S/o Inderjeet
KARTIK S/o Narendra Kr.
KOMAL D/o Ramchander
RAJAT S/o Paramvir
RUDRA S/o Hemant Kr.
SAURAV S/o Hamir Singh
SIDDHARTH S/o Narender Kr.
SUBHAM S/o Narender Kr.
SUHAN S/o Narvir S.
SURAJ S/o Sunil Kr.
TUSHANT S/o Rajbir Yadav
VANSHIKA D/o Ravi Kumar
VIVAN S/o Amit Kr.

IIT MAINS	IIT ADVANCE	NEET	NDA	NIT	CUET	CLAT	IISER
143	36	47	49	29	117	22	46

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
NURSERY TO XII
(ALL STREAMS)

AC HOSTEL FACILITY FOR BOYS

Mahendergarh Campus
9813922732, 9053905341
www.tagoremgarh.edu.in

Rewari Campus
8607974777, 8685851444
www.tagorerewari.edu.in

Gurugram
9053905344/43
www.tagoregurugram.edu.in

खबर संक्षेप

कोर्ट से घोषित पीओ के खिलाफ केस दर्ज

बावल। पुलिस ने कोर्ट से घोषित एक पीओ के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोर्ट ने सुरेश बनाम अंकुर वर्मा मामले में ईस्ट दिल्ली के रामनगर निवासी अंकुर वर्मा को गत 27 फरवरी को पीओ घोषित किया था। कोर्ट ने उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश जारी किए थे। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिस ने उसकी गिररफ्तारी और संपत्ति का ब्योरा हासिल करने के प्रयास शुरू कर दिए। उसकी संपत्ति का ब्योरा कोर्ट में प्रस्तुत किया जाएगा।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने खरखड़ा बांध के पास अवैध रूप से शराब बेचते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि गुरूग्राम के नानू कलां निवासी सचिन अवैध शराब बेचने का धंधा करता है। वह खरखड़ा बांध के पास शराब बेच रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर सचिन को काबू कर लिया। उसके पास मौजूद प्लास्टिक बैग से 11 बोतल शराब बरामद हुई।

युवती के घर से लापता होने का केस दर्ज

कोसली। कस्बे की एक कॉलोनी से करीब 19 साल की युवती घर से लापता हो गई। पुलिस शिकायत में युवती के पिता ने बताया कि वह 22 मई को अपनी दुकान पर था। उसकी पत्नी काम पर गई हुई थी। दोपहर के समय उसने अपने पड़ोसी को फोन किया तो उसे पता चला कि उसकी बेटी घर पर नहीं है। काफी तलाश करने के बाद भी उसकी बेटी का कोई पता नहीं चल सका। आशंका जताई है कि किसी ने उसकी बेटी को कहीं छुपाकर रखा हुआ है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवती की तलाश शुरू कर दी।

गलत सूचना देने वाला आरोपी गिरफ्तार

बावल। नरसिंहपुर गढ़ी ईंट भट्टे पर कार्यरत मुनीम को पुलिस को गलत सूचना देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। मुनीम खंडोड़ा निवासी लालसिंह व भट्टा मालिक ने शपथ पत्र देकर कहा कि ईंट भट्टे पर कोई बांग्लादेशी नहीं रह रहा है। जब पुलिस ने सर्च अभियान के दौरान भट्टे पर दस्तक दी, तो वहां से दो परिवार के 12 लोग काबू किए गए। इसके बाद पुलिस ने मुनीम व भट्टा मालिक पर भी केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी मुनीम लालसिंह को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

ट्रैक्टर में स्कूटी घुसने से चालक गंभीर

कोसली। एक कार शोरूम के पास सड़क पर खड़े ट्रैक्टर में स्कूटी घुस जाने से स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। शिव कॉलोनी रेलवे स्टेशन निवासी कृष्ण कुमार स्कूटी से मंडी से घर की ओर जा रहा था। एक कार शोरूम के पास स्कूटी ट्रैक्टर से टकरा गई। इस हादसे में कृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया गया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

मारपीट मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

खोल। नांगल जमालपुर में 17 मई को मारपीट करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। अस्पताल में उपचाराधीन पीड़ति ने उसके साथ मारपीट करने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के आरोप लगाए थे। थाना खोल पुलिस ने मारपीट व हरिजन एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। डीएसपी जांच के बाद इस मामले में पुलिस ने संदीप को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

छात्र के साथ मारपीट का केस दर्ज

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने एक कॉलेज छात्र के साथ मारपीट करने के आरोप में कई छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में बावल निवासी आकश महलावत ने बताया कि वह सहारनवास कॉलेज में परीक्षा देने के लिए आया था। कार खड़ी करने के बाद कॉलेज के अंदर जाते समय 10-12 लड़कों ने उस पर हमला कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस व फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची

टिश्यू पेपर मिल में आग से हड़कंप, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, नुकसान होने से टला

- तुरंत काबू पाने से नहीं हुआ मिल में बड़ा नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

कसोला चौक के पास शनिवार दोपहर एक टिश्यू पेपर बनाने वाली मिल में आग लग गई। इससे मिल के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर तुरंत काबू पा लिया, जिससे बड़ा नुकसान होने से टल गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी।

सिनार इंडिया पल्प एंड पेपर प्राइवेट लि. कंपनी में टिश्यू पेपर तैयार किया जाता है। दोपहर के समय कंपनी के एक हिस्से में आग लग गई। कंपनी के कर्मचारियों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद बावल से एक गाड़ी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया। कंपनी में काम कर रहे कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। कंपनी प्रबंधन के अनुसार आग लाइन पर शार्ट सर्किट के कारण लगी, जिससे काफी सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग पर काबू पाने के बाद पुलिस ने आगजनी के कारणों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। समय पर आग पर काबू पाए जाने के कारण कंपनी में बड़ा नुकसान या जनहानि होने से टल गई। कुछ कार्टून में रखा माल ही आग की भेंट चढ़ पाया।

रेवाड़ी। टिश्यू पेपर मिल में आग बुझाते हुए फायर कर्मी, टिश्यू पेपर मिल में आग बुझाते हुए फायर कर्मी। फोटो :हरिभूमि

आसपास की कंपनियां हुई अलर्ट

सिनार कंपनी में आग लगने की सूचना से आसपास की कंपनियों में भी हड़कंप मच गया। आग पर भीषण रूप से धारण करने से पहले ही काबू पा लिया गया। इस दौरान आसपास की कंपनियों ने अपने स्टाफ को अलर्ट कर दिया, ताकि आग फैलने की स्थिति में उस पर काबू पाया जा सके। फायर ब्रिगेड के काबू पाए जाने के बाद इन कंपनियों के स्टाफ व प्रबंधन ने राहत की सांस ली।

बाइक चोरी के मामले में दूसरा आरोपी भी चढ़ा पुलिस के हत्थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लगभग 4 साल पहले सरकुलर रोड पर एक अस्पताल के सामने खड़ी बाइक चोरी करने के दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी को पहले ही बाइक समेत गिरफ्तार किया जा चुका है। सिटी पुलिस को दर्ज शिकायत में मोहल्ला रामसरोवर निवासी दीपक ने बताया था कि वह 10 जून 2021 को नाईवाली चौक के पास सरकुलर रोड पर एक अस्पताल आया था। बाइक बाहर खड़ी करने के बाद वह अस्पताल के अंदर चला गया। कुछ समय बाद बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी पूछताछ के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। सिटी पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने राजस्थान के कांकर गांव निवासी ब्रह्म उर्फ राहुल को गिरफ्तार करते हुए चोरी की बाइक बरामद कर ली थी। अब इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी टांकड़ी निवासी अजय उर्फ अज्जू को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

गाड़ी खरीदने के लिए पहले टेस्ट ड्राइव फिर कार लेकर फरार हुए दो युवक

- पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कृष्णा नगर में वरना कार खरीदने के लिए आए दो युवक टेस्ट ड्राइव के बाद चाबी चुराकर कार लेकर फरार हो गए। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों का पता लगाने की कौशिश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में आकाश ग्रोवर ने बताया कि उसके पास उसके रिश्तेदार फरीदाबाद निवासी हरिकृष्ण की वरना कार थी। इस कार को बेचने के लिए सोशल मीडिया पर लिखा गया था। अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। उसके पास दो युवक कार खरीदने के लिए आए। उन्होंने कार का टेस्ट ड्राइव कराने को कहा, तो उसने टेस्ट ड्राइव करा दिया। इसके बाद दोनों उसकी दुकान पर बैठकर बातचीत करने लगे। दोनों ने कार की चाबी को मौका देखकर चोरी कर लिया। इसके बाद दोनों कार लेकर फरार हो गए। उसने पुलिस को तुरंत कार चोरी की सूचना दी। पुलिस ने नाकेबंदी भी की, परंतु आरोपियों को काबू नहीं किया जा सका।

पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद सीसीटीवी कैमरों की मदद से कार का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

रेवाड़ी। शोरूम से इस कार को ले गए युवक। फोटो :हरिभूमि

महिला को फेक मैसेज भेजकर सवा लाख का दूसरे को टास्क के नाम पर 3.40 लाख का चूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर ठगी की वारदातों पर रोक नहीं लग पा रही है। बार-बार लोगों को साइबर ठगों से बचने का पाठ पढ़ाया जाता है, परंतु साइबर ठग झांसा देकर चपत लगाने में लगातार कामयाब हो रहे हैं। एक महिला को साइबर ठगों ने फर्जी मैसेज भेजकर सवा लाख का चूना लगा दिया, एक व्यक्ति को आनलाइन टास्क के नाम पर 3.40 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना दिया।

धारूहेड़ा की एक सोसायटी में रहने वाली पूर्वी जोशी ने बताया कि उसके पास एक कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने उसे बताया कि उसने गलती उसके खाते में 50, 45 हजार, 35 हजार व 60 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। पूर्वी ने अपना मोबाइल फोन चेक किया तो उस पर पैसे जमा होने के मैसेज आ रहे थे। फोन करने वाले की बात पर भरोसा करते हुए उसने अपने खाते उसे उसके नंबरों पर पैसे ट्रांसफर कर दिए। बाद में बैंक बैलेंस चेक करने पर पता चला कि उसके खाते में कोई पैसे नहीं आए। उसके पास फेक मैसेज भेजे गए थे। जब उसने फोन करने वाले से संपर्क करते हुए पैसे लौटाने को कहा तो उसने बताया कि इसके लिए प्रोसेस पूरा करने के लिए 25 हजार रुपये और डालने के लिए कहा गया। झांसे में आकर उसने यह राशि भी ट्रांसफर कर दी। इस तरह उसे 124800 रुपये का चूना लगा दिया।

रेवाड़ी। पुलिस लाइन स्थित साउथ रेंज साइबर थाना। फोटो :हरिभूमि

ऑनलाइन टास्क के नाम पर ठगा

करावरा मानकपुर निवासी सचिन कुमार ने साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि उसके मोबाइल फोन पर 10 मई को व्हाट्स एप पर मैसेज आया था। उसे ऑनलाइन टास्क करने को बोला गया गया था। इसके बाद उसे टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ दिया गया। उसे अच्छा कमिशन का दावा करते हुए कई बार में 3.40 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। जब उसने पैसा रिटर्न करने को कहा, तो उससे खाता फ्रीज होने की बात कहते हुए और राशि जमा कराने को कहा। उसे ठगी का पता चला। साइबर थाना पुलिस ने दोनों केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें दोनों की रकम ट्रांसफर हुई है।

पशु टकराने से बाइक सवार कंपनी कर्मचारी की मौत

रेवाड़ी। रोहतक नेशनल हाइवे पर पुलिस लाइन के पास किसी पशु के टकराने से बाइक सवार कंपनी कर्मचारी की मौत हो गई। मॉडल टाउन थान पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। यूपी के पिपटरा निवासी विजय कुमार जाटूसाना के समीप एक कंपनी में नौकरी करता था। वह सुठानी गांव में किराए के कमरे में रह रहा था। कमरे से कंपनी के लिए वह बाइक लेकर निकला था। उसके साथ उसका एक अन्य साथी भी बाइक पर बैठा हुआ था। जब वह रोहतक नेशनल हाइवे की सर्विस लेन पर पहुंचे, तो कोई पशु बाइक के सामने आ गया। उसे बचाने के प्रयास में बाइक असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई। विजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

न्यूज डायरी

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता ने पुलिस को दर्ज शिकायत में ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ति करने और दहेज नहीं लाने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। समझौता नहीं होने के कारण गत 10 अप्रैल को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इस मामले में गुरूग्राम के ताजनगर निवासी मोनू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

अपाचे बाइक चोरी करने का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने अपाचे बाइक चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस ने चोरी की अपाचे बाइक के साथ अनाजमंडी के पास बवाना गुर्जर निवासी राजाराम उर्फ राजू को गिरफ्तार किया था। बाइक पर आगे-पीछे नंबर प्लेट नहीं थी। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पूछताछ में यह बात सामने आई थी कि बाइक ब्रास मार्केट से चोरी की गई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने चोरी के मामले में एक और आरोपी धामलाका निवासी मनीष उर्फ खरोला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पूछताछ करने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया।

कार की टक्कर लगने से बाइक चालक की मौत

रेवाड़ी। मसानी के पास सर्विस रोड पर कार की टक्कर लगने से एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। खिजूरी निवासी आनंद कुमार अपने गांव से बाइक लेकर मसानी जा रहा था। मसानी के पास सर्विस रोड पर एक कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक एक बार रुकने के बाद मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने आनंद को उठाकर एंबुलेंस की मदद से एक प्राइवेट अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद आनंद के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। वहां से घायल को गंभीरावस्था में रेफर कर दिया। परिजन उसने ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कार चालक की तलाश शुरू कर दी।

आबकारी नीति में संशोधन व ई-निविदा की तिथियों में परिवर्तन

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से वर्ष 2025-2027 में आबकारी नीति को 6 मई 2025 से अनुमोदित किया गया था। उप-आबकारी एवं कराधान आयुक्त रोहताश गिल ने बताया कि अब सरकार ने इस नीति में संशोधन करते हुए शराब ठेकों के सफल आबंटियों से लिए जाने वाले सुरक्षा धन की राशि को पूर्व निर्धारित 15 प्रतिशत से घटाकर 11 प्रतिशत कर दिया है और ई-निविदाएं वाले दिन लिए जाने वाले सुरक्षा धन को 3 प्रतिशत से घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले की ई-निविदाओं की तिथियों को भी संशोधित किया गया है। अब यह ई-निविदाएं 30 और 31 मई को आयोजित की जाएंगी। प्राप्त ई-निविदाओं का मूल्यांकन 31 मई को शाम 5 बजे उपायुक्त अभिषेक मीणा की अध्यक्षता में किया जाएगा।

बैंक खाते खुलवाकर धोखाधड़ी मामले में दो आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने वर्ष 2022 में सैलरी अकाउंट खुलवाने के बाद धोखाधड़ी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। 1 अगस्त 2022 को धारूहेड़ा थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में धारूहेड़ा के वार्ड नं. 7 निवासी हिमांशु ने बताया कि था कि उसने, उसके दोस्त सचिन, आशीष और विवेक ने सुमित नाम के लड़के से सैलरी आकउंट खुलवाए थे। उन्हें खाते खुलवाने के बदले 3-3 हजार रुपये उनके खातों में जमा कराने का आश्वासन दिया गया था। उसने सभी खाता धारकों को एक-एक सिमकार्ड भी मुहैया कराया था। इसके बाद उनके खातों से ट्रांजेक्शन होना शुरू हो गया। चेक के जरिए उनके खातों में जमा होने वाले पैसे निकलवाए गए। जब खाते बंद कराने के लिए कहा गया, तो सुमित ने उन्हें धोखाधड़ी के केस में फंसाने की धमकी दी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। अब पुलिस ने राजस्थान के सिंदौली निवासी मुनेश सिंह चौहान, व राजस्थान के ही झापड़ावास निवासी गजेंद्र सिंह चौहान को इस मामले में गिरफ्तार किया है।

मोबाइल से भरा कंटेनर लूट मामले में आरोपी काबू

रेवाड़ी। वर्ष 2022 में चार करोड़ रुपये से ज्यादा के मोबाइल फोन से भरे कंटेनर के चालक का अपहरण करने और कंटेनर लूटने के मामले में सीआईए ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे पूर्व पुलिस इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। उसे अनुसंधान में शामिल किया गया है। बावल की बीएमजी कंपनी से 25 मई 2022 को एक कंटेनर मोबाइल फोन भरकर नोएडा के लिए निकला था। कंटेनर को चालक को कृष्ण चला रहा था। जब कंटेनर आसलवास फ्लाईओवर के पास पहुंचा तो एक कार में सवार लोगों ने हथियारों के बल पर चालक का कार में अपहरण कर लिया। यह लोग कंटेनर को लेकर फरार हो गए। कंपनी की एचआर विभाग की एजीएम उर्वशी शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण व लूट का केस दर्ज किया था। बाद में खाली कंटेनर रोहतक के पास मिल गया था। मामले की जांच रोहतक व रेवाड़ी एसटीएफ को सौंपी गई थी। इस मामले में पुलिस कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। अब एक आरोपी एमपी के देवास जिले के भैरवा खेड़ी पोस्ट चिड़ावद निवासी सुभाष हाडा को सीआईए ने गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 15 हजार रुपये बरामद किए गए हैं।

एमकॉम व एमबीए कोर्स के लिए 30 तक आवेदन

रेवाड़ी। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर के होटल एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग में 'बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी' एमकॉम 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड एवं एमबीए 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 30 मई तक आवेदन कर सकते हैं। बीएचएमसीटी कौशल-आधारित व्यावसायिक पाठ्यक्रम में कुल 60 सीटें उपलब्ध हैं। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए पात्रता न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। बीएचएमसीटी कोर्स में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के व्यापक अवसर है। विद्यार्थी होटल, रेस्टोरेंट, एयरलाइंस, क्रूज, ट्रैवल कंपनियों एवं इवेंट इंडस्ट्री में करियर बना सकते हैं। व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व, संचार एवं ग्राहक सेवा में दक्षता के साथ-साथ उद्यमिता के अवसर, स्वयं का रेस्टोरेंट, कैफे, कैटरिंग सर्विस कर सकते हैं। इंडस्ट्री इंटर्नशिप एवं ऑन-हैंड ट्रेनिंग की सुविधा भी है। विभागाध्यक्ष ने बताया कि यह कोर्स विद्यार्थियों को नवीनतम आतिथ्य प्रथाओं, सॉफ्ट स्किल्स और प्रोफेशनल ग्रूमिंग में प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिससे वे प्रतिस्पर्धात्मक वैश्विक बाजार में सफलता प्राप्त कर सकते है। एमबीए एवं एमकॉम कोर्स में भी विद्यार्थी विभिन्न व्यवसायिक कार्यालयों एवं कंपनियों में रोजगार पाकर अपना करियर बना सकते हैं।

तापमान में गिरावट के कारण अपेक्षा के अनुरूप नहीं पड़ेगी गर्मी, माह के अंत तक बूंदाबांदी होने की भी संभावना

नौतपा की शुरूआत आज से, भारी गर्मी पड़ने के आसार कम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार सुबह 3:27 बजे सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही नौतपा की शुरूआत हो जाएगी। इस बार 9 की बजाय सूर्यदेव 14 दिन इसी नक्षत्र में विराजमान रहेंगे। 8 जून को सूर्यदेव के मृगाशिरा नक्षत्र में जाएंगे, जिसके साथ ही नौतपा खत्म हो जाएगा। नौतपा का सर्वाधिक असर 3 जून तक रहेगा। सूर्य के पृथ्वी के करीब आने के कारण 9 दिनों में भारी गर्मी पड़ने की संभावना रहती है, परंतु इस बार मौसम में बदलाव के कारण नौतपा में अपेक्षा के अनुरूप गर्मी पड़ने के आसार कम हैं। संवत्सर के राजा और मंत्री सूर्य होने के कारण नौतपा के नौ दिनों में सबसे अधिक गर्मी पड़ने की संभावना है। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ नौतपा की शुरूआत 25 मई से हो जाएगी और इसका समापन तीन जून को होगा। मान्यता है कि नौतपा के नौ दिन में तेज गर्मी पड़ती है तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है। इसके विपरीत अगर नौतपा के दौरान तापमान कम रहता है और बारिश होती है, तो मानसून के सीजन में कम बारिश या सूखा पड़ने की आशंका रहती है। ज्योतिषाचार्य पं. रामदत्त शर्मा ने बताया कि इस बार सूर्य का रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश 25 मई को सुबह 3:27 बजे होगा। इसके साथ ही नौतपा की शुरूआत हो जाएगी और समाप्ति तीन जून को होगी। सूर्य का मृगाशिरा नक्षत्र में प्रवेश 8 जून को होगा, जिस कारण नौतपा की अवधि इस बार ज्यादा मानी जाएगी। इस बार नौतपा शुरू होने से 10 दिन पहले भारी गर्मी लोगों के जमकर पसीने छुड़ा चुकी है। नौतपा करीब आने के साथ ही तापमान गिर चुका है, जिस कारण इस बार नौतपा में भारी गर्मी का असर गायब रह सकता है। तीन दिन मौसम में बदलाव के बाद बिजली की खपत में 20 लाख यूनिट तक की कमी आ गई थी। इससे पूर्व बिजली की खपत 90 लाख यूनिट के पार हो गई थी, जिससे लोगों को बार-बार पावर कटों का सामना करना पड़ रहा था। रविवार से उमस भरी गर्मी के कारण बिजली की खपत फिर बढ़नी शुरू हो गई। शनिवार शाम तक यह एक बार फिर 90 लाख यूनिट के करीब पहुंच गई। रविवार को कई फीडरों में बार-बार कट लगाए गए, जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

रेवाड़ी। शनिवार को बच्चें के साथ धूप से बचाव करता जाता बुजुर्ग। फोटो :हरिभूमि

तापमान में आई मामूली गिरावट

गत तीनों दिनों से तापमान 40 डिग्री के आसपास ही बना हुआ है। इससे पूर्व 21 मई को तापमान 45.5 डिग्री पर पहुंच गया था। लू के थपेड़ों ने लोगों का बुरा हाल कर दिया था। इसके बाद आंधी के साथ बूंदाबांदी ने तापमान गिरा दिया। शनिवार को अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री की कमी के साथ 40.0 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। रात का तापमान 2.0 डिग्री बढ़कर 25.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। गत वर्ष 24 मई को अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री और न्यूनतम 28.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम में बार-बार आ रहा बदलाव

कमजोर विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बार-बार बदलाव आ रहा है। शनिवार को शाम के समय धूल भरी हवाएं चलीं। आसमान में आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर तक उमस भरी गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया। उमस के कारण लोग दिन भर पसीने से तर-बतर होते रहे। कूलरों की हवा भी उमस ने बेअसर कर दी। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में बार-बार बदलाव बना रहेगा। नौतपा के मध्य बूंदाबांदी होने से तापमान गिर सकता है। इससे भारी गर्मी की संभावना कम नजर आ रही है।

खबर संक्षेप

जाली काटकर नकदी व जेवरात चोरी

खोल। मंदोला गांव में चोर एक मकान के दरवाजे की जाली काटकर नकदी व जेवरात चोरी कर ले गए। चोरों ने एक अन्य मकान में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। थाना खोल पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। चोरों ने एक अन्य मकान में भी चोरी

पुलिस शिकायत में प्रदीप कुमार ने बताया कि रात के समय चोर उसके घर के दरवाजे की जाली काटकर अंदर घुस गए। मकान के कमरे से चोर चार सोने की अंगूठियां, दो जोड़ी सोने के कानों के बाले, आठ जोड़ी पायल व 15 हजार रुपये चोरी कर ले गए। सुबह जब उसे चोरी का पता चला, तो उसने पुलिस को सूचना दी। इसी दौरान उसके पड़ोसी बिरेंद्र के घर से भी चोर एक टॉर्च व एक हजार रुपये चोरी कर ले गए।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

रेवाड़ी। मोहल्ला बाला सराय के एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों के हवाले कर दिया।

लगभग 36 वर्षीय विपिन शुक्रवार को घर से किसी से मिलने की बात कहते हुए निकला था। उसके बाद घर नहीं आया। दोपहर बाद उसने अपने दोस्त को काल करते हुए बताया कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है। वह अभी बावल रोड पर है। दोस्त ने इसकी जानकारी उसके परिजनों को दी। सूचना के बाद परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और विपिन को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान देर शाम उसने दम तोड़ दिया।

नशीला पदार्थ मुहैया कराने का आरोपी काबू

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने नशीला पदार्थ गांजा उपलब्ध कराने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। पुलिस ने दिल्ली रोड पर केएलपी कॉलेज के पास नशीला पदार्थ गांजा बेचने के आरोप में बंजारवाड़ा निवासी बिरेंद्र उर्फ बिंद्र को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से 45.2 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि राजस्थान के घटाल निवासी कक्का सिंह ने उसे यह गांजा उपलब्ध कराया था। पुलिस ने आरोपी कक्का सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया।

महिला से मारपीट व छेड़छाड़ का आरोपी काबू

रेवाड़ी। फरवरी माह में चाय की दुकान चलाने वाली एक महिला से मारपीट छेड़छाड़ करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। गत 11 फरवरी को मॉडल टाउन थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में महिला ने बताया कि था कि धामलाका यशपाल उर्फ बिल्लू उसकी दुकान पर अपने एक अन्य युवक के साथ आया था। उसने दुकान से सिगरेट खरीदने के बाद उसके साथ छेड़छाड़ करना शुरू कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि बिल्लू ने उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करने लगा।

यादव सभा का फ्री जांच कैंप व बैठक आज

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से 25 मई को सुबह 9 से 1 बजे तक गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविरआयोजित किया जाएगा, जिसमे मरीजों को निशुल्क ओपीडी सेवाएं देने के साथ फ्री दवाईयां प्रदान की जाएगी। सभा के प्रवक्ता प्रोफेसर सतीश यादव ने बताया कि शिविर मे डा. विक्रम मेडिसिन, डा. आत्मप्रकाश यादव हड्डीरोग, डा. सुनील यादव सर्जरी, डा. गौतम यादव नेत्ररोग, डा. अजीत बालरोग, डा. मनीष ईएनटी, डा. अनिल यादव दंत रोग तथा लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव फिजियोथेरेपी में फ्री सेवाएं प्रदान करेंगे। प्रवक्ता ने बताया कि मेडिकल कैंप के बाद 11 बजे यादव कल्याण सभा की मासिक बैठक प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता व महंत लाल दास मुख्य संरक्षक के सानिध्य में आयोजित की जाएगी, जिसमें मई महीने की विभिन्न गतिविधियों व आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जाएगा।

कैडेट दिव्यांश, कैडेट लक्षित व कैडेट पारुल फुटबॉल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही

अंतर सदनीय फुटबॉल स्पर्धा

वरिष्ठ वर्ग में कटारी, कनिष्ठ में सुब्रोतो व गर्ल्स वर्ग में कारगिल सदन बना विजेता

- प्राचार्या कैप्टन ब्रिज किशोर ने विजेता कैडेट्स को प्रमाण-पत्र व स्वर्ण पदक व उप विजेताओं को रजत पदक देकर पुरस्कृत किया

रेवाड़ी। प्रतियोगिता में फुटबॉल खेलते हुए कैडेट्स तथा विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते प्राचार्य व स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

गांव गोठड़ा स्थित सैनिक स्कूल में अंतरसदनीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गौरव उपाध्याय टीजीटी गणित के नेतृत्व में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय के छह सदन सुब्रोतो, अर्जन, मानेकशॉ, कटारी, करियप्पा व परेरा सदन के मध्य लीग मैच हुए। पूल समूह अंकों के आधार पर शीर्ष स्थान पर रहने के कारण वरिष्ठ वर्ग में करियप्पा व कटारी सदन, कनिष्ठ वर्ग में सुब्रोतो व कटारी सदन व बालिका वर्ग में कारगिल व रेजांगला सदन फाइनल में पहुंचे।

फाइनल मुकाबलों में वरिष्ठ वर्ग से कटारी सदन शुरू से ही करियप्पा सदन पर हावी रहा, जिसमें कटारी सदन ने करियप्पा सदन को 5-0 से हराया व कनिष्ठ वर्ग में सुब्रोतो सदन ने कटारी सदन को पेनल्टी शूट आउट में 4-1 के अंतर से पराजित कर फुटबॉल ट्रॉफी पर कब्जा किया। इसके साथ ही गर्ल्स कैडेट्स के लिए भी फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया, जिसमें कारगिल सदन ने रेजांगला सदन पर 1-0 से जीत दर्ज की। फाइनल परिणाम में वरिष्ठ वर्ग में कटारी सदन, कनिष्ठ वर्ग में सुब्रोतो सदन और बालिका समूह में कारगिल सदन विजेता रहे, जबकि करियप्पा, कटारी और बालिका वर्ग से रेजांगला सदन की टीम उपविजेता रही। इसके अलावा कैडेट्स व स्टाफ के बीच एक मैत्री मैच भी खेला गया, जिसमें स्टाफ की टीम विजेता रही।

विद्यालय प्राचार्या कैप्टन ब्रिज किशोर ने विजेता कैडेट्स को प्रमाण-पत्र व स्वर्ण पदक तथा उप विजेताओं को रजत पदक देकर पुरस्कृत किया। वरिष्ठ वर्ग में कैडेट दिव्यांश व कनिष्ठ वर्ग में कैडेट लक्षित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब दिया गया। वहीं कैडेट पारुल बालिका वर्ग में फुटबॉल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी मेजर जयसिंह राठौड़, उप प्राचार्या स्क्वाड्रन लीडर वंदना चौधरी व वरिष्ठ अध्यापक गजेन्द्र सिंह चौहान भी मौजूद थे। इस मौके पर प्राचार्य कैप्टन ब्रिज किशोर ने कहा कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला पुणे के लिए कैडेट्स का सर्वांगीण विकास कर उनका चारित्रिक उत्थान करना ही इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का उद्देश्य है ताकि देश की सशस्त्र सेनाओं के लिए भावी अधिकारी तैयार किए जा सकें। उन्होंने प्रतियोगिता को कैडेट्स के लिए नवीन ऊर्जा का संचार बताया। उन्होंने कैडेट्स की खेल भावना, आत्मविश्वास और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए उन्हें शारीरिक, मानसिक और सांवेगिक रूप से मजबूत होने की प्रेरणा दी। प्राचार्य ने कहा कि खेलों के माध्यम से ही छात्रों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है और उनमें संघर्ष व जीत की भावना जन्म लेती है। प्राचार्य ने प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रतियोगिता प्रभारी, छात्र प्रभारी कैडेट आर्यन, सभी सदनों के सदनाध्यक्ष, एपीटीसी-पीटीआई स्टॉफ, एनसीसी स्टॉफ व सभी अकादमिक-प्रशासनिक कर्मियों का उत्साहवर्धन किया।

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में

आरपीएस के छात्रों ने प्रथम इंटरनेशनल रैंक प्राप्त की

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में आरपीएस के चार विद्यार्थी जयश्री, हिमांशी, भव्या तथा पीहू ने 100 प्रतिशत स्कोर कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया हैं। विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाई है। सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में विद्यालय के चार विद्यार्थी द्वारा शत-प्रतिशत अंक लेकर प्रथम रैंक प्राप्त करना विद्यालय के साथ-साथ जिले व प्रदेश के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। आरपीएस के विद्यार्थी आज प्रदेश व देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार व गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही आरपीएस की पहचान है।

सिल्वर जोन इंटरनेशनल के अंग्रेजी विषय में नवीश यादव, अनिमेष, अंकित कुमार, प्रियांशी यादव, वेदांशी, आरव कौशिक, रक्षा, दिव्या, खुशी यादव, प्रिया, साक्षी तथा मैथ ओलंपियाड में इशू, आरव, अंकित कुमार, आरव, यश, यश कुमार आरव कौशिक, मुकुल यादव, नैतिक, जय श्री, रक्षित, ज्योति, मानवी, हिमांशी, जियान, भव्या तथा साइंस ओलंपियाड में नवीश यादव, सक्षम आर्य, देवांश, आरव कौशिक, मुकुल यादव, आयुष सांगवान, जयश्री, अश्विन, हिमांशी, जिया, भव्या, पीहू, यशवर्धन राजपूत, दर्श, हर्ष, सैंटी, वंशिका सिंह सहित 45 बच्चों ने सफलता प्राप्त की है।

रेवाड़ी। गर्ल्स स्कूल में मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते शिक्षक।

पीएम श्री गर्ल्स स्कूल में छात्राओं का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सरकुलर रोड स्थित पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को प्रतिमा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

प्राचार्य धर्मवीर की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा बारहवीं में संगीता ने स्कूल में प्रथम, दुर्गा ने द्वितीय तथा नेहा व निधि यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दसवीं में प्रथम स्थान लक्ष्मी, द्वितीय स्थान कुसुम व तृतीय स्थान मानसी ने हासिल किया। इस अवसर पर खेलो इंडिया प्रतियोगिता में विजेता कक्षा 11वीं से चहक, होम साइंस में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने वाली छात्रा डेलिस व गाईड विंग प्रभारी पूनम यादव को राष्ट्रपति अवार्ड मिलने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक व छात्राएं मौजूद थी।

राइट टू सर्विस एक्ट के दायरे में आई बागवानी विभाग की सात सेवाएं

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से बागवानी विभाग की 7 सेवाओं को हरियाणा सेवा का अधिकार अधिनियम, 2014 के दायरे में लाते हुए इनकी समय-सीमा निर्धारित की है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि मुख्य सचिव की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार बागवानी विभाग के हॉर्टनेट के अन्तर्गत पूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करने उपरांत आवेदन की स्वीकृति, भावांतर भरपाई योजना के तहत दावेदार द्वारा दावा प्रस्तुत के बाद प्रोत्साहन के निपटान तथा मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के तहत सक्षम प्राधिकरण से अनुमोदन उपरांत दावे के निपटान के लिए 21 दिन की समय-सीमा निर्धारित की गई है। डीसी ने बताया कि नर्सरी फ्रूट लाइसेंस तथा नर्सरी बीज लाइसेंस 90 दिन के अंदर प्रदान किया जाएगा। हॉर्टनेट के तहत निधि की उपलब्धता के आधार पर भौतिक सत्यापन के बाद सब्सिडी का वितरण 30 दिन के अंदर, जबकि सम्पूर्ण दस्तावेज और किसान उत्पादक संगठन के गठन की व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद किसान उत्पादक संगठन का सूचीकरण 45 दिन के अंदर किया जाएगा।

राव खेमचंद विद्या विहार के 58 विद्यार्थियों ने सैनिक स्कूल परीक्षा में लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा के घोषित परिणाम में राव खेमचंद विद्या विहार ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता साबित की है। स्कूल के 61 विद्यार्थियों में से 58 विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। ईशांत ने एआईआर 290, ममता ने 720, सुशांत ने 1400 व देवांश ने 270 अंक हासिल कर सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप यादव ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्कूल के लिए बेहद गर्व का पल है। बच्चों ने अपनी लगन से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। चेयरमैन देवेंद्र कुमार ने सभी सफल छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी। हेडमिस्ट्रेस प्रतिमा पारीक ने छात्रों के अनुशासन और समर्पण को इस सफलता का मुख्य कारण बताया।

रेवाड़ी। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

गवर्नमेंट स्कूल धवाना में एचबीएसई परीक्षा के उत्तीर्ण विद्यार्थी हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धवाना में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें एचबीएसई परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। स्कूल का हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड दसवीं व बारहवी परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय प्राचार्य नरेन्द्र कुमार ने बताया कि बारहवीं कक्षा में स्कूल से सभी 15 विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे और दसवी में 12 मे से 6 विद्यार्थियों ने मेरिट प्राप्त की।

शुभम ने 481 अंक लेकर स्कूल में प्रथम व मधुर ने 447 अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य, गांव के सरपंच बाबूलाल,स्कूल प्रबंधन समिति, स्टॉफ सदस्यों तथा गोरक्षा व बजरंग दल के सदस्यों ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया। मंच संचालन श्याम लाल ने किया। उन्होंने इस उपलब्धि का शिक्षकों के मार्गदर्शन व विद्यार्थियों की मेहनत को दिया।

न्यूज डायरी

विजेता ने खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स में जीता गोल्ड

रेवाड़ी। पटना बिहार में सम्पन्न हुउ खेलो इंडिया यूथ गेम्स में शहर के एक निजी स्कूल की होनहार छात्रा विजेता यादव ने फेंसिंग टीम फॉइल इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य, जिले और स्कूल का गौरव बढ़ाया है। विजेता पूरे हरियाणा राज्य से चयनित 12 बालिकाओं में चुनी गई थी। क्वार्टर फाइनल में हरियाणा ने तमिलनाडु को हराया। सेमीफाइनल में महाराष्ट्र को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में हरियाणा ने चंडीगढ़ को मात देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रशिक्षक राजपाल यादव के मार्गदर्शन में विजेता ने अपने कौशल और मेहनत का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के चेयरमेन सत्यवीर यादव ने इस उपलब्धि पर विजेता को बधाई दी। प्रिंसिपल अनिल कुमार ने कहा कि विजेता ने यह सिद्ध कर दिया है कि लगन, सही मार्गदर्शन और मजबूत इच्छाशक्ति से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।

हत्या के प्रयास मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। तीन दिन पहले बीकानेर के मोती वाला मंदिर के पास बाइक को पिकअप गाड़ी से टक्कर मारकर चालक की हत्या का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके दो अन्य साथियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी भी कब्जे में ली है। पुलिस बयान में गंगायचा अहीर निवासी राहुल यादव ने बताया था कि 22 मई को वह बाइक पर खेत से अपने घर जा रहा था। मंदिर के पास उसी के गांव का मनसाराम, बीकानेर निवासी हरकेश उर्फ कोकी व एक अन्य वहां पहुंच गए। इन लोगों ने उसकी बाइक को पिकअप से टक्कर मार दी, जिससे वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद इन लोगों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। लोगों की भीड़ एकत्रित होने पर आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने उसके बयान पर आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। इस मामले में हरकेश उर्फ कोकी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

सनग्लो स्कूल के विद्यार्थी सैनिक स्कूल परीक्षा में छाए

रेवाड़ी। सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा में सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल के 15 में से 13 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। स्कूल से डिंपल, दक्ष कुमार, अंश यादव, हितेश रंगा, माही, अंशु यादव, देवांशु, नैतिक, लक्ष्य, आदित्य, धीरज, कपिल और दर्शिल का सैनिक स्कूल में चयन हुआ हैं। विद्यालय के अध्यक्ष डा. वीपी यादव ने कहा कि यह परिणाम न केवल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है, बल्कि स्कूल की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। विद्यालय की निदेशिका शारदा यादव व प्रधानाचार्या गरिमा यादव ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कंपनी कर्मचारी से फोन छीनने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना बावल पुलिस ने मार्च माह में कंपनी कर्मचारी का मोबाइल फोन लूटने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बावल में रेलवे फाटक के निकट रहने वाले मूल रूप से राजस्थान के सवाई माधोपुर निवासी पिंटू ने पुलिस शिकायत में बताया था कि वह एक कंपनी में काम करता है। वह 23 मार्च को सुबह के समय कंपनी में पैदल जा रहा था। कृषि विवि के निकट बाइक पर आए तीन लोग उसका मोबाइल फोन छीनकर भाग गए। उसने बाइक सवार युवकों का पीछा किया तो वह भागते हुए गिरकर चोटिल हो गया। बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को काबू कर लिया था।

स्कॉउट ट्रेनिंग कैंप से लौटे विद्यार्थियों का किया सम्मान

खोरी। एसडी स्कूल खोरी के भारत स्कॉउट व गाइड के विद्यार्थियों ने अंबाला में आयोजित तीन दिवसीय राज्य पुरस्कार स्कॉउट ट्रेनिंग कैंप में भाग लेकर कई पुरस्कार प्राप्त किए। शनिवार को विद्यार्थियों के वापस लौटने पर विद्यालय में प्रधानाचार्य, स्टाफ सदस्यों, जिला डीओसी गाइड सरोज वर्मा व डीओसी स्कॉउट प्रदीप कुमार ने स्वागत किया। विद्यालय के दो प्राध्यापक संदीप यादव व सज्जनजीत को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर स्कूल संचालक जवाहर लाल दूहन ने कहा की ट्रेनिंग प्रोग्राम बच्चों को अनुशासित जीवन के लिए प्रेरणा देते है। उन्होंने कहा कि स्कॉउट से रोजगार और सरकारी नौकरी प्राप्त करने आसानी होती है। सरकार को सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में स्कॉउट अनिवार्य रूप लागू करना चाहिए। प्रिंसिपल दीपशिखा दूहन ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ज्ञानदीप स्कूल के 30 छात्रों ने मारी बाजी

बावल। शिक्षा के क्षेत्र में गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए ज्ञानदीप ग्रुप ऑफ स्कूल्स मोहनपुर के 30 होनहार छात्रों ने सैनिक स्कूल की प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। यह परिणाम न केवल छात्रों की मेहनत को दर्शाता है, बल्कि स्कूल की समर्पित शिक्षकों की टीम और प्रबंधन की उत्कृष्ट रणनीति का भी प्रतिफल है। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों की कड़ी मेहनत व समय पर मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय प्रबंधन समिति ने कहा कि स्कूल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा तत्पर रहा है और आने वाले समय में भी इस दिशा में और बेहतर प्रयास किए जाएंगे। इस मौके पर सभी शिक्षक मौजूद थे।

ज्वेलर्स ने हाई स्कूल सुठाना में पांच पंखे किए भेंट

रेवाड़ी। शनिवार को राजकीय उच्च विद्यालय में धारूहेड़ा के ज्वेलर्स रजत जैन व द्रव्य जैन ने पांच पंखे भेंट किए। स्कूल को पंखे भेंट करने पर विद्यालय परिवार उनका आभार व्यक्त किया। पंखे मिलने से विद्यार्थियों व शिक्षकों को भीषण गर्मी में राहत मिलेगी।। इस अवसर पर विद्यालय प्रभारी आरपी सिंह दहिया, डा. मंगत सिंह, राजेश वशिष्ठ, सुनीता देवी, रचना यादव, भारती सिरोहा, संध्या वर्मा, भारती हिंदी, पूनम यादव, आदित्य वशिष्ठ व ओमपाल ढिल्लो सहित समस्त स्टॉफ सदस्य उपस्थित थे।

प्रशिक्षण — डीसी के मार्गदर्शन में जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां शुरू कर दी गई

'योग फॉर वन अर्थ-वन हेल्थ' थीम के साथ मनेगा योग दिवस, कल से लगेगा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कैंप

- योग शिविर का आयोजन जिला स्तर पर राव तुलाराम स्टेडियम में प्रात: 6 से 7:30 बजे तक किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इस वर्ष 21 जून को 'योग फॉर वन अर्थ-वन हेल्थ' थीम के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। योग दिवस को लेकर आयुष विभाग की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में जिले में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

कार्यवाहक जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. बसंत सोनी ने बताया कि योग दिवस के सफल आयोजन के लिए आयुष विभाग की ओर से जिले में 26 से 28 मई तक तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय योग शिविर का आयोजन जिला स्तर पर राव तुलाराम स्टेडियम में प्रातः 6 से 7:30 बजे तक किया जाएगा, जिसमें योग विशेषज्ञ डा. राकेश छिल्लर, योग समितियों के योग शिक्षकों तथा खेल विभाग के योग प्रशिक्षकों के साथसभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा, पीटीआई व डीपीआई को प्रशिक्षण देंगे। डा. सोनी ने बताया कि आगामी 4 जून से 6 जून तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण के तहत जिले के सभी स्कूलों में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

12 जून से 14 जून तक जिला सहित खंड स्तर के प्रशासनिक अधिकारी, सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, पंच अन्य निर्वाचित सदस्य, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कॉउट गाइड एवं इच्छुक लोगों को स्टेडियम, खेल मैदान, व्यायामशाला या अन्य उपयुक्त स्थानों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 16 जून से 18 जून तक जिला स्तर पर मंत्रियों, सांसद, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी, निर्वाचित सदस्य, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कॉउट गाइड, नेहरू युवा केंद्र स्टाफ एवं आमजन को योग प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बनीपुर में 15 दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ

पतंजलि योग समिति की ओर से जिले के गांव बनीपुर में शनिवार को 15 दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ किया गया। मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में पतंजलि योग समिति की ओर से योग प्रोटोकॉल के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है। समिति जिला प्रभारी दयाराम आर्य ने प्रार्थना मंत्र के साथ योग शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने लोगों को योगिंग-जोगिंग सहित योगाभ्यास कराते हुए कहा कि योग प्राणायाम के नियमित अभ्यास से हम अपने तन-मन को स्वस्थ रखकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समिति की महिला जिला प्रभारी सरोज आर्या ने लोगों को सूर्य नमस्कार, ताड़ासन व वृक्षासन सहित अनेक आसनों का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से की गई छोटी-छोटी योग क्रियाएं बड़ी से बड़ी बीमारियों को कोसों दूर रखती है। इस अवसर पर सतीश, कमला, बाला, केला, संतोष, द्रोपदी, शर्मिला, सरोज, चंद्रमा, बबिता, अनीता व महेंद्र सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

S.D. SR. SEC. SCHOOL
Strong academic foundation gives way to government jobs
हरियाणा में रिकॉर्ड तोड़ परीक्षा परिणाम देने वाला संस्थान
CLASS X BOARD EXAM RESULT 2024-25
हमारी बेटी, पूरे हरियाणा का गौरव
Congratulations!
5th RANK in HARYANA
Rakshita
D/o Yogesh Kumar
Vill. - Karawara Manakpur
98.6%
10th RANK in HARYANA
Tanuj Beniwal
S/o Jasbir Singh
Vill. - Jant
98%
97.2% TAMNNA D/O ARVIND VILL. NANGALIA
97.2% HITESH S/O SUNIL KUMAR VILL. K. M. PUR
96.4% MEENAKSHI D/O TEJPAL VILL. ASIAKI GORAWAS
96.4% HARSH S/O SUDEEP KUMAR VILL. K. M. PUR
96.4% RITIK S/O PAWAN KUMAR VILL. BIKANER
96.2% KHUSHI D/O MANOJ KUMAR VILL. K. M. PUR
96% RAKHI D/O RAKESH KUMAR VILL. K. M. PUR
95.6% DEEPIKA D/O BIJENDER VILL. JAITPUR
95.4% MUSKAN D/O MANMOHAN VILL. K. M. PUR
95% NAITIK S/O TEJPAL VILL. ASIAKI GORAWAS
94.6% DEEPANSHU S/O SUNIL KUMAR VILL. K. M. PUR
94.2% RINKU S/O MAHESH KUMAR VILL. CHILLAR
93.6% DIYA D/O DHARAMBIR VILL. NOORPUR
93.4% KAMANA D/O RAJENDER VILL. DHANORA
93.2% DIPENDER S/O DHARMANDER VILL. K. M. PUR
92.8% NIKITA DO MANOJ KUMAR VILL. JANTI
92.6% TANISHA D/O ANIL KUMAR VILL. GHILAWAS
91.8% GAURI D/O RISHI KAPOOR VILL. CHILLAR
91.8% NIDHI D/O SONU YADAV VILL. K. M. PUR
91.4% VAISHALI D/O NITIN YADAV VILL. CHILLAR
91% DURGESH D/O JAIPAL SINGH VILL. BAPAS
90.6% HARSH YADAV S/O RAJPAL VILL. MOHADDINPUR
90.4% NAITIK S/O PAWAN KUMAR VILL. K. M. PUR
90% MANISHA D/O SANDEEP VILL. K. M. PUR
90% MUSKAN D/O JAIBIR VILL. JAMALPUR
90% PRINCE S/O RAVINDER VILL. MUNDHALIA
90% MUSKAN D/O SANDEEP VILL. DHANORA
88.4% RITIKA D/O HARDWARI LAL VILL. BHURTHAL JAAT
88.2% SHAGUN S/O VEER SINGH VILL. MEERPUR
88% MEGHA D/O ANKUR VILL. K. M. PUR
88% PARAS S/O SATPRAKASH VILL. CHILLAR
88% SAMEER S/O NISHANT VILL. K. M. PUR
87.4% SUMIT S/O SANDEEP VILL. TEHNA DIPALPUR
87.2% KAPIL S/O MANJEET VILL. DHANORA
86% SHAGUN D/O ANOOP KUMAR VILL. K. M. PUR
86% PUNIT S/O RANBIR VILL. GANGAICHA JAAT
83.8% HITESH S/O RAJESH VILL. SHADIPUR
83.6% CHESTHA D/O MUKESH KUMAR VILL. KHALILPUR
83.4% NAVISH S/O DINESH VILL. ASIAKI GORAWAS
83.4% NITIN S/O CHITERSAIN VILL. CHILLAR
81.4% NAYAN S/O BIJENDER VILL.CHILLAR
81% ISHANT S/O PARDEEP VILL. BIKANER
80% GAURAV S/O NARESH VILL. GHILAWAS
80% DEVESH S/O MANBIR VILL. DOHAKI
KARAWARA MANAK PUR, REWARI 9416248533, 9466771888
sdschoolkmpur@gmail.com www.sdschool.com fb.me/sdschoolkmpur

भविष्य की दुनिया बदल देगी जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा काम: डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजना: भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसान: सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षम: रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्कैन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

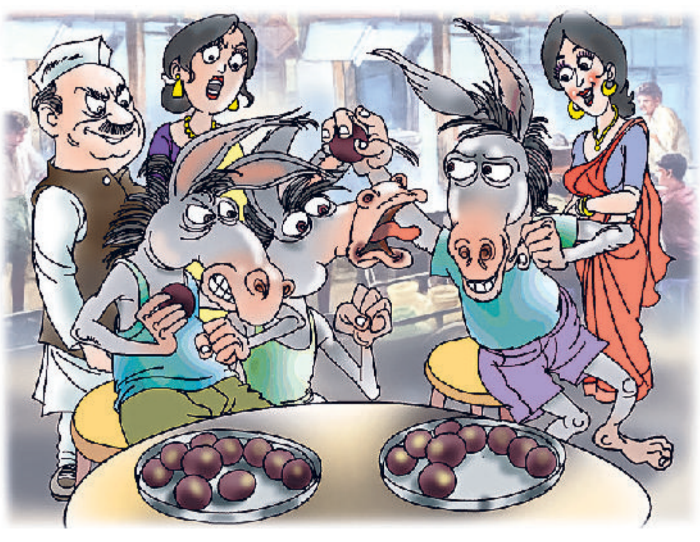

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब।* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तक: जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकार:** शंकरानंद, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

फैशन / शिखर चंद जैन

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

टोप हैट

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है
प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्नापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

खास मुलाकात / पूजा सामंत

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *